दैनिक
पदमावत मीडिया
Reg.No.MH18D0030877 •ई-पेपर• •न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे•
www.padmavatmedia.in Mo. 9594542679 Email- padmavatmedia@gmail.com
वर्ष : 10 • डिजिटल अंक : 318 • मुंबई,शनिवार, 27 जुलाई, 2024 • प्रधान सम्पादक : पवन जैन पदमावत • पृष्ठ : 2 • मूल्य-0.00 निःशुल्क •

25वीं वर्षगांठ - हमने कारगिल युद्ध ही नहीं जीता सत्य संयम का अद्भुत परिचय भी दिया था - पीएम मोदी

लद्दाख । 25वें कारगिल विजय दिवस पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पीएम मोदी ने शिनखुन ला सुरंग के निर्माण कार्य की शुरुआत की। पीएम ने कहा कि आज लद्दाख की ये महान धरती कारगिल विजय के 25 साल पूरे होने की साक्षी बन रही है। कारगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्रीय के लिए दिए गए बलिदान अमर होते हैं। दिन, महीने, साल, सदियां गुजरती हैं, मौसम भी बदलते हैं लेकिन राष्ट्र की रक्षा के लिए अपनी जान निछावर करने वालों के नाम अमिट और अमर रहते हैं। ये देश हमारी सेना के पराक्रमी महानायकों का सदा सर्वदा ऋणी है।

पीएम मोदी ने कहा कि कारगिल युद्ध के समय मैं सामान्य देशवासी के रूप में अपने सैनिकों के बीच था। आज मैं फिर कारगिल की धरती पर आया हूं तो स्वाभाविक है वो स्मृतियां मेरे मन में ताजा हो गई हैं। मुझे याद है किस तरह हमारी सेनाओं ने इतनी ऊंचाई पर, कठिन युद्ध ऑपरेशन को अंजाम दिया था। मैं देश को विजय दिलाने वाले ऐसे शूरवीरों को आदरपूर्वक प्रणाम करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि कारगिल में हमने केवल युद्ध नहीं जीता था। हमने सत्य, संयम और सामर्थ का अद्भुत परिचय भी दिया था। भारत उस समय शांति के लिए प्रयास कर रहा था। बदले में पाकिस्तान ने अपना अविश्वासी चेहरा दिखाया लेकिन सत्य के सामने असत्य और आतंक की हार हुई।

पीएम ने कहा कि पाकिस्तान ने अतीत में जितने भी दुष्प्रयास किए उसे मुंह की खानी पड़ी लेकिन उसने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। वह आतंकवाद के सहारे अपने आप को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास कर रहा है लेकिन आज जब मैं उस जगह से बोल रहा हूं जहां आतंक के आकाओं को मेरी आवाज सीधे सुनाई पड़ रही है मैं आतंकवाद के इन सरपरस्तों से कहना चाहता हूं कि उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। आतंकवाद को हमारे जाबाज पूरी ताकत से कुचलेंगे। दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

मानहानि मामले में कोर्ट में पेश हुए राहुल गांधी, बोले- मुझ पर लगाए सभी आरोप गलत

सुल्तानपुर । गृहमंत्री अमित शाह की मानहानि मामले में आज लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सुल्तानपुर की एमपीएमएलए कोर्ट में पेश हुए।इस दौरान उन्होंने कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराते हुए कहा कि उन पर जो आरोप लगे हैं वे गलत हैं। नवीन झा ने राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराई थी, जिस पर कोर्ट ने संज्ञान लिया था। राहुल गांधी ने इसे निरस्त करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

बता दें कि राहुल गांधी के वकील ने कहा था कि लोकसभा सत्र की वजह से वह नहीं पहुंच पा रहे हैं। अंतिम मौका दिया जाए। कोर्ट ने तब

26 जुलाई की तारीख दी थी। कोर्ट ने कहा था कि राहुल व्यक्तिगत रूप से हाजिर हों। राहुल की पेशी पर यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राहुल को प्रताड़ित किया जा रहा, लेकिन हम हार नहीं मानेंगे। कांग्रेस डटकर लड़ रही है और डटकर लड़ेगी। राहुल गांधी के अमित शाह पर किए गए कथित बयान पर सुल्तानपुर में भाजपा नेता विजय मिश्रा ने मानहानि का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। दिसंबर, 2023 में कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी किया था।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण अभियान में उल्लेखनीय कार्य करने पर जिला कलेक्टर हुए सम्मानित

पदमावत मीडिया

सलूंबर। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम में सभी गतिविधियों में बेहतर कार्य करने पर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू को सम्मानित किया गया ज्ञात रहे कि सलूंबर जिले में उल्लेखनीय कार्य करते हुए चौथी बार सम्मानित हुए जिले के लिए गोरवान्वित करने वाला पल है। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यकम (एनटीसीपी) के अंतर्गत सलूम्बर जिले में तम्बाकू मुक्त विद्यालय, तम्बाकू मुक्त ग्राम पंचायत, कोटपा एन्फोर्समेन्ट तथा जागरूकता कार्यक्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। ग्राम पंचायतो के स्तर पर तम्बाकू उपभोग के दुष्प्रभावों के संबंध में ग्राम चौपालों में आमजन के द्वारा तम्बाकू उत्पादों के निषेध के नियमों की पालना करवाने के में सार्थक चर्चा तथा ग्राम पंचायतो के द्वारा निर्णय किए जाने से तम्बाकू के उपभोग में कमी आई है तथा आमजन के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जिले की समस्त ग्राम पंचायतो के द्वारा तम्बाकू नियंत्रण के नियमों की पालना की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए प्रस्ताव भी पारित किए गए हैं, जो कि जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में सम्पादित किए गए तम्बाकू नियंत्रण के उल्लेखनीय कार्य में आमजन की सक्रिय सहभागिता से ही सम्भव हो पाया है। जिले में आयोजित किए गए विद्यालय जागरूकता कार्यक्रमों में 35,000 से अधिक बालक-बालिकाओं के द्वारा भविष्य में तम्बाकू उत्पादों का उपयोग नहीं करने की शपथ भी ली गई। साथ ही कोटपा अधिनियम के अंतर्गत चालान कार्यवाही भी प्राथमिकता से की गई। तम्बाकू नियंत्रण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्य राज्य में ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर पर भी विशिष्ट पहचान स्थापित हो सकेगी।

पहल योजना कैंप के सुचारू संचालन हेतु जिला कलक्टर कर रहे स्वयं निगरानी

पदमावत मीडिया

सलूंबर। जिले में 25 जुलाई से पहल योजना कैंपों का सफल आगाज हुआ है। इन कैम्पस में राज्य और केन्द्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। नागरिक समाज इस कदर प्रभावित है कि उनका विशेष उत्साह इन कैम्पस में देखने को मिल रहा है। जिले में कैंप संचालन के पहले दिन ही लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। इसी को देखते हुए जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कैंप व्यवस्थित रूप से चलते रहे एवं नागरिकों को किसी प्रकार की कोई भी परेशानी ना हो। वे स्वयं जाकर पहल योजना कैंपों का निरीक्षण कर रहे हैं एवं आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे हैं। जिला कलेक्टर नागरिक समाज से यह भी समझाइश कर रहे हैं कि वे धैर्य पूर्वक अपनी बारी के अनुसार ही कैम्पस में रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने कैंप के सफल संचालन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं भली-भांति प्रबंधित करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने कैंप संचालकों को यह निर्देश दिये कि लाभार्थियों को उनकी बारी आने पर पंजीकरण हेतु बुलाया जावे एवं कैम्पस पर पानी के समुचित प्रबंधन किया जाये। यह इस बात का परिचायक है कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि पहल योजना कैंप में नागरिकों को कोई परेशानी ना हो एवं उनका त्वरित पंजीकरण हो। जिले में सभी ग्राम पंचायत में कैंप सुचारू रूप से चल रहे हैं, अभी तक कहीं भी कोई अव्यवस्था सामने नहीं आई है यद्यपि जिला प्रशासन और अधिक मुस्तैद होकर पहल योजना कैंप के सफल संचालन हेतु एड़ी चोटी का प्रयास कर रहा है और नागरिकों को इन कैम्पस में बेहतर सुविधाएं दिलाने हेतु लगातार कुशल प्रबंधन कर रहा है।

जिला कलेक्टर ने इस मौके पर उन्होंने कहा की समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति पहल योजना शिविर में मिल रही योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। समाज की आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति को कैंप के माध्यम से लाभ दिलाया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया की कैंप में आने वाले अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

पहल योजना शिविर में अब तक 71 हजार चार सो से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशन में चल रही पहल योजना शिविर में विभिन्न योजनाओं से लाभार्थियो को अब तक आधार कार्ड में 1396, जनआधार 2492, बिजली 293, बैंक खाता 7680, पीएम जीवन सुरक्षा बीमा योजना 17348,पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना 9332, अटल पेंशन योजना 3542, कैटल शेड योजना 1678, कृषक परिवार 2729, म्युटेशन 1318, उज्ज्वला योजना 79,विश्वकर्मा योजना 2762, श्रम योगी मानधन योजना 1622, ई श्रम पंजिकरण 8870, विशेष योग्यजन 594, रोडवेज पास 659, जन्म प्रमाण पत्र 3862, मृत्यु प्रमाण पत्र 1422, स्कॉलरशिप(निर्माण श्रमिक शिक्षा व कौशल विकास 2104, पेंशन 553, पालनहार 151, कन्यादान 20, विवाह पंजीयन 959 इत्यादि योजनाओ में कुल अब तक कुल 71 हजार चार सौ से अधिक लाभार्थियों को योजनाओ से जोड़ा गया।

सोमवार को यहां आयोजित होंगे शिविरङ्क पंचायत समिति सराडा की ग्राम पंचायत सेपुर, पंचायत समिति लसाड़िया की ग्राम पंचायत बेडास, पंचायत समिति सेमारी की ग्राम पंचायत घोड़ासर, पंचायत समिति सलूम्बर की ग्राम पंचायत चिबोड़ा, पंचायत समिति झल्लारा की ग्राम पंचायत धोला गिरी खेड़ा, पंचायत समिति जयसमंद की ग्राम पंचायत धावडिया में शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

पदमावत मीडिया

प्रतापगढ़। जिला कलेक्टर डॉ. अंजलि राजोरिया की अध्यक्षता में गुरुवार को मिनी सचिवालय परिसर में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा की सड़क के किनारे ढाबे और होटल्स, रेस्टोरेंट्स वालों को दुर्घटना होने पर अपातकालीन स्थिति में नियत प्राथमिक उपचार और सीपीआर की ट्रेनिंग दी जाए।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारी ने बताया की गाड़ियां बाईं ओर चलाए

लेकिन पैदल दाईं ओर चलना चाहिए, गाड़ी की जितनी गति होगी उतने ही एक्सीडेंट होने की संभावना बढ़ जाती हैं। उन्होंने बताया की आईआरएडी एप के अनुसार शाम 6 बजे के बाद ज्यादा एक्सीडेंट होते है। बैठक में सड़क दुर्घटना के मामलों पर चिंता जताई गई।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर विनय पाठक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बनवारी लाल मीणा, प्रतापगढ़ उपखंड अधिकारी राजेश कुमार नायक सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कर्ममोचिनी नदी पर निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

पदमावत मीडिया

प्रतापगढ़। उपखंड अधिकारी धरियावद कपिल सिंह कोठारी ने बताया की कर्ममोचिनी नदी पर बन रहे पुल निर्माण के पास बनाये गये बाईपास के रात्रि में बह जाने से यातायात व्यवस्था बाधित होने के कारण वाहन मदवार रोड से होकर नागलिया मोड पर निकाले जा रहे है। इस संबंध में आमजन को जानकारी देने के संबंध सार्वजनिक निर्माण विभाग धरियावद को निर्देशित किया गया ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पडे एवं बनाये जा रहे पुल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुल निर्माण ईन्जीनियर द्वारा अवगत कराया कि आगामी 07 दिवस में पुल पर आवागमन शुरू हो जायेगा। वर्तमान में छोटे वाहन का आवागमन पुल से हो रहा है। जल्द से जल्द समस्त कार्य पूर्ण कर पुल का उद्घाटन करा पुल पर आवागमन चालु करने के निर्देश दिये गये एवं साथ ही बाईपास चालू बह गया है उसे 02 दिवस में दुरस्त कराने के निर्देश दिये गये।

प्रशासन, खनन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही में मौजा गाडरीयावास कल्याणपुरा में खसरा नम्बर 232/7 रकबा 0.8316 हैक्टेयर खातेदार थावरचन्द पिता बाबरिया, रमेश पिता मेरा एवं हरजीया पिता मेरा की भूमि पर 30 टन बजरी जब्त की गई। उपखण्ड अधिकारी द्वारा मौके पर खातेदार के खिलाफ 177 का प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये। इस दौरान मौके पर उपखण्ड अधिकारी धरियावद, वृत निरीक्षक धरियावद, खनन विभाग की टीम के सदस्य एवं पटवारी हल्का केशरियावाद एवं गाडरीयावास मौके पर उपस्थित रहे। की गई। उपखण्ड अधिकारी द्वारा मौके पर खातेदार के खिलाफ 177 का प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये। इस दौरान मौके पर उपखण्ड अधिकारी धरियावद, वृत निरीक्षक धरियावद, खनन विभाग की टीम के सदस्य एवं पटवारी हल्का केशरियावाद एवं गाडरीयावास मौके पर उपस्थित रहे।

परदेशी पार्क में साहित्यकारों-कवियों ने मनाई परदेशी की 101वीं जयंती

पदमावत मीडिया

प्रतापगढ़। ख्यातनाम साहित्यकार परदेशी की 101वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शहर के परदेशी पार्क में जिले के साहित्यकारों और कवियों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मनीष जैन, सहायक जनसंपर्क अधिकारी नवधा परदेशी, अरुण वोरा, सुरेंद्र सुमन, चन्द्र प्रकाश द्विवेदी, अजगर अली बोहरा, सुरेश 'सुरज', विजय सिंह 'विद्रोही', दुर्गाशंकर सुथार, कैलाश राव 'रसिक', भंवर जी 'भंवर', अनिता गुप्ता, मीना सुमन, धनपाल 'धमाका', आदि उपस्थित माल्यार्पण के पश्चात सभी ने अपनी-अपनी कविताओं का काव्य पाठ किया।

परदेशी का जन्म 26 जुलाई 1923 को प्रतापगढ़ जिले के पानमोड़ी ग्राम में हुआ था। उनका वास्तविक नाम मन्नालाल शर्मा था। नौ वर्ष की उम्र में परदेशी उपनाम रखकर काव्य लेखन आरंभ किया। चौदह वर्ष की उम्र में परदेशी का लिखा 'चितौड़' खंड काव्य प्रकाशित हुआ, जिसकी राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने काफी प्रशंसा की थी। 1941 में उनका विवाह अरनोद कस्बे की लक्ष्मी देवी के साथ हुआ। विवाह के बाद उन्होंने लक्ष्मी को 'तारा' नाम दिया। 1942 में आजीविका के लिए मध्य प्रदेश के मंदसौर शहर चले गए। जहां क्लर्क की नौकरी की। सात माह पुरानी नौकरी छोड़कर वहां साहित्यिक पत्रिका 'ज्योति' का संपादन-प्रकाशन किया। परदेशी 'भारत सोवियत मैत्री संघ% और %प्रगतिशील लेखक संघ, मुम्बई' के संस्थापक सदस्य थे। 1954 में धर्मयुग में प्रथम उपन्यास 'चट्टानें' धारावाहिक प्रकाशित हुआ। 1962 में राजस्थान साहित्य अकादमी ने परदेशी के उपन्यास 'जय महाकाल' को सर्वश्रेष्ठ उपन्यास

का पुरस्कार दिया। 1939 से 1947 की अवधि में सोलह काव्य संग्रह प्रकाशित हुए।

परदेशी ने उपन्यास, कहानियां, राजनीति, धर्म दर्शन, बाल साहित्य, सभी विधाओं में लिखा है। वे अपने कुछ उपन्यासों के कारण काफी चर्चित रहे हैं। परदेशी के प्रमुख उपन्यायों में चट्टानें (1954), पाप की पुजारिन, न्याय के सींग (1974 में 'रंग' में धारावाहिक), कच्ची धूप (1954 में 'मानव मासिक' में धारावाहिक), दूध के बादल, औरत, रात और रोटी (1956), भगवान बुद्ध की आत्मकथा, औरत एक » चेहरे हजार (1954 में 'गोरी' में धारावाहिक), बड़ी मछली » छोटी मछली (1958), जय महाकाल (1961), त्याग का देवता (1965), सपनों की जंजीरें (1961), मैला सपना, जय एकलिंग, कुआरी किरण, जयगढ़ का जोगी, आत्मसिद्धा, काला सोना, मोम की पुतली, सिंदूर की हथकडियां आदि शामिल है।

इसी तरह कहानी संग्रहों चंपा के फूल, संदेह का सिंदूर, बंद कमरा, राजस्थान के शौर्य एवं पराक्रम की कहानियां, खातू रावत और अन्य कहानियां, विश्वयुद्ध की रोमांचकारी कहानियां, कविता संग्रहों चित्तौड़, बादल, धरती माता, मदालसा, प्यार, रक्तदान, जयहिंद, कश्मीर को छोड़ दो, वातायन, परदेशी के गीत, लाल तारा, हँसिया, हथौड़ा और लेखनी, 42 के बाद का वर्ग संघर्ष, चालीस करोड़, परिंदा, पूर्व-अपूर्व, नाटकों कल्पना, जनता की जीत, धरती का सिंगार, राजनीति विषयक पुस्तकों एशिया की राजनीति, कश्मीर का सवाल, दक्षिणपंथी प्रतिक्रियावाद क्या है? की परदेशी ने रचना की।

बाल साहित्य में परदेशी ने सपनों के विधाता, सौदागर सुंदर, डॉ. अल्बर्ट स्वीत्ज़र, गुजरात की लोककथाएं, गढ़बंका और रणबंका, भारत की लोककथाएं, सोए आलसी की आंख, लेख और निबंध संग्रहों में अर्जन और सर्जन, बेंजामिन फ्रेंकलिन, कोनटिकी, तूफान, हेनरी फोर्ड, व्यापार के नव क्षितिज की रचना की। अनुवाद विधा में लता, राय हरिहर, राय रेखा, कृष्णाजी नायक, महात्मा माधव, एक परछाई दो दायरे, मगधपति, काम और कामिनी का अनुवाद किया। सेठ जमनालाल बजाज को गांधीजी के पत्र (हरिभाऊ उपाध्याय के साथ संपादन, 1953) किया।

भारत फाइबर की दस दिन से लाइन कटने से सिग्नल लाइन बंद , सरकारी ऑनलाइन कार्य हुए ठप्प

पदमावत मीडिया

मेनार । सरकारी कार्यालय में हर पंचायत स्तर पर हाई स्पीड मुहैया कराने के लिए सरकार ने भारत फाइबर की कनेक्शन किए है । कनेक्शन करने के बाद शुरुआती दौर में व्यवस्था बेहतर थीं। लेकिन समय के साथ हाई स्पीड की व्यवस्था तो दूर पिछले एक हफ्ते से भी ज्यादा समय से खस्ताहाल व्यवस्था की गांड से आमजन एवं कार्मिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । ऐसे ही मामला सामने आया स्थानीय पंचायत समिति के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धावड़िया का जहां पिछले दस दिन से भारत फाइबर लाइन का केबल कटने के बाद सुध लेने वाला कोई नही है । जिससे स्थानीय गांव में मोबाइल सिग्नल की व्यवस्था के अभाव में राजकीय ऑनलाइन कार्य ठप पड़े हैं। उक्त संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार सूचित किया लेकिन स्थिति जस की तस है । इससे ग्रामीणों में रोज व्याप्त है । ग्रामीणों ने जल्द समस्या निस्तारण की मांग की है।

इनका कहना है

' विद्युत विभाग द्वारा सड़क के किनारे पोल को खड़ा करने के लिए खड्डे खोदे गए जिससे लाइन कट गई है । यह विद्युत विभाग के कार्मिकों की लापरवाही है। हमारे विभाग की टीम समस्या निस्तारण में लगी हुई है । बहुत जल्द समस्या निस्तारण की जाएगी।'

कुंजी लाल मीणा

उपमंडल अभियंता भारत संचार निगम लिमिटेड ।

पूर्व सांसद मीणा और जिला परिषद सदस्य गुर्जर ने की मुलाकात

पदमावत मीडिया

उदयपुर, सलूंबर जिले के जावरमाइंस थाना क्षेत्र के अदवास में गुरुवार को घर पर बैठे पिता और शिक्षक बेटे पर हमले के प्रकरण पर पूर्व सांसद रघुवीर मीणा और जिला परिषद सदस्य कामिनी गुर्जर ने रोष जताया है। शुक्रवार को मीणा व गुर्जर पीड़ित परिवारजनों से मिले और चिकित्सालय पहुंच कर घायल पिता की कुशलक्षेम पूछी। उन्होंनेचिकित्साधिकारियों से बात कर घायल पिता डालचंद मेघवाल की बेहतर चिकित्सा चर्या करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि व घटनाक्रम में हमलावर ने तलवार से ताबड़तोड़

हमला कर दिया। इसमें बेटे शंकर लाल मेघवाल (40) ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पिता डालचंद मेघवाल (60) को गम्भीर घायल अवस्था में 108 एंबुलेंस ते उदयपुर एमबी अस्पताल पहुंचाया गया था।

डा पामिल मोदी भंडारी को पद्मविभूषण पंडित विश्वमोहन भट्ट द्वारा एक्सीलेंस अवार्ड

पदमावत मीडिया

उदयपुर । दो दिवसीय 40 वें पंडित मदन मोहन भट्ट मेमोरियल म्यूजिक फेस्टिवल एंड एवार्ड सेरेमनी में 25 जुलाई गुरुवार को स्वर्ण सभागार, कलार्क्स आमेर जयपुर में आयोजित किया गया। इस भव्य समारोह में मोहन लाल सुखाडिया यूनिवर्सिटी की संगीत विभाग की प्रभारी एवम विभागाध्यक्ष डा. पामिल मोदी भंडारी को पंडित मदन मोहन भट्ट एक्सीलेंस अवार्ड, पद्मविभूषण ग्रैमी अवार्ड विजेता पंडित विश्वमोहन भट्ट द्वारा प्रदान कर सम्मानित किया गया। डा. पामिल को यह एवार्ड इन द्वारा संगीत शिक्षण में किए उत्कृष्ठ योगदान के लिए प्रदान किया गया है। इस कार्यक्रम में देश के कई लब्ध प्रतिष्ठित कलाकारों यथा बांसुरी वादक पंडित राजेन्द्र प्रसन्ना, वायलिन वादक पंडित दीपक पंडित, तबला वादक निसार हुसैन, सजल कौसर, इत्यादि को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध सात्विक वीणा वादक पंडित सलिल भट्ट द्वारा किया गया। यह जानकारी मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के पूर्व विभाग अध्यक्ष संगीत डॉक्टर प्रेम भंडारी ने दी।

जिनके जीवन में धर्म नही है, वह व्यक्ति पत्थर समान - आचार्य हितवर्धन सुरिश्वर

आयड़ जैन तीर्थ में अनवरत बह रही धर्म ज्ञान की गंगा

पदमावत मीडिया

उदयपुर । श्री जैन श्वेताम्बर महासभा के तत्तवावधान में तपोवन की उद्गम स्थली आयड़ तीर्थ में रामचन्द्र सुरिश्वर महाराज के समुदाय के पट्टाधर, गीतार्थ प्रवर, प्रवचनप्रभावक आचार्य हितवर्धन सुरिश्वर आदि ठाणा का चातुर्मास की धूम जारी है। महासभा के महामंत्री कुलदीप नाहर ने बताया कि शुक्रवार को आयड़ तीर्थ के आत्म वल्लभ सभागार में सुबह 7 बजे संतों के सानिध्य में ज्ञान भक्ति एवं ज्ञान पूजा, अष्ट प्रकार की पूजा-अर्चना की गई। वहीं सभी श्रावक-श्राविकाओं ने जैन महाभारत ग्रंथ की पूजा-अर्चना की। आयड़ तीर्थ में 80 तपस्वी बीस विहरमान तप की तपस्या कर रहे है जो निरंतन 40 दिनों तक चलेगी।

महासभा अध्यक्ष तेजसिंह बोल्या ने बताया कि आयोजित धर्मसभा में आचार्य हितवर्धन सुरिश्वर ने कहते है कि जब सद्गुरु का समागम प्राप्त होता है, तब सन्मार्ग की भी प्राप्त होती है, और आत्म स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होता है। तप के बारे में बताया कि तप के सेवन से देह की ममता का त्याग रसना - जय और कषायों पर विजय प्राप्त होती है। इससे कर्म इत्य होता है, और क्षय से आत्मा शुद्धात्मा बन अजरामर मुक्ति पद प्राप्त करती है। आचार्य ने कहा जिनके जीवन में धर्म नही है। वह व्यक्ति पत्थर समान है। जिस प्रकार दो पहियों के आधार पर एवम दो पंखों के सहारे अपने गंतव्य स्थान को आसानी से से पहुंचता है। उसी प्रकार धर्म और विज्ञान दोनों के मेल से ही जीवन व्यवहार अच्छी तरह चलता है। जीवन में राग द्वेष मोह माया से दूर रहकर धर्म आचरण करने के लिए आह्वान किया। धर्म अत्यंत

शुक्ष्म और सारगर्भित व्याख्या है। संत ने कहा कि जीवन की इस आपाधापी में पल भर का भरोसा नही है।

आचार्य के प्रवचन में करीब 250 से 300 श्रावक-श्राविकाएं प्रतिदिन धर्म लाभ ले रहे है। चातुर्मास संयोजक अशोक जैन व प्रकाश नागोरी ने बताया कि चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन सुबह 9.30 बजे आचार्य हितवर्धन सुरश्वर द्वारा जैन महाभारत पर रोचक प्रवचन होंगे वहीं प्रत्येक रविवार को सुबह 9.30 से 11 बजे तक अलग-अलग करन्ट विषयों पर आचार्य के प्रवचन हो रहे है।

इस अवसर पर सतीस कच्छारा,राजेन्द्र जवेरिया, चतर सिंह पामेचा, चन्द्र सिंह बोल्या, हिम्मत मुर्डिया, कैलाश मुर्डिया, श्याम हरकावत, भोपाल सिंह नाहर, अशोक धुपिया, गोवर्धन सिंह बोल्या आदि मौजूद रहे।

गमेर बाग धाम में बालयोगी मुनि श्रुतधरनंदी महाराज का केशलोच कार्यक्रम कल

पदमावत मीडिया

उदयपुर । गोवर्धन विलास हिरण मगरी सेक्टर 14 स्थित गमेर बाग धाम में श्री दिगम्बर जैन दशा नागदा समाज चेरिटेबल ट्रस्ट एवं सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में गणधराचार्य कुंथुसागर गुरुदेव के शिष्य बालयोगी मुनि श्रुतधरनंदी महाराज, मुनि उत्कर्ष कीर्ति महाराज, क्षुलक सुप्रभात सागर महाराज के सान्निध्य में प्रतिदिन वर्षावास के प्रवचन एवं विविध आध्यात्मिक व धार्मिक क्रियाएं सम्पन्न हो रही है।

सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष शांतिलाल वेलावत व महामंत्री सुरेश पद्मावत ने संयुक्त रूप बताया कि गमेर बाग धाम में रविवार 28 जुलाई प्रात» 8.30 बजे बालयोगी मुनि श्रुतधरनंदी महाराज का केशलोच कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित होगा। जिसमें सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहेंगे। चातुर्मास समिति के महावीर देवड़ा व पुष्कर जैन भदावत ने बताया कि मुनिश्री का पाद प्रक्षालन व शास्त्र भेंट हेमराज वेलावत, हीरालाल कोठारी, किशोर बोहरा ने किया।

शुक्रवार को बालयोगी मुनि श्रुतधरनंदी महाराज के सान्निध्य में गमेर बाग धाम में श्रावक श्राविकाओं ने संगीतमयी भक्तिभाव के साथ भक्ति नृत्य किये और शारीरिक रोग, मन शोक, पीड़ा, गृह क्लेश निवारण, नवग्रह गृह सुख शांति समृद्धि धन, व्यापार लाभदायक ऋषि मुनियों की आराधना की। धर्मसभा के पूर्व शंतिधारा, अभिषेक, शास्त्र भेंट, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन जैसे मांगलिक आयोजन हुए।

इस अवसर आयोजित धर्मसभा में बालयोगी मुनि श्रुतधरनंदी महाराज ने अपने प्रवचन में कहां कि जिन्दगी जीना आसान नहीं होता है बिना संघर्ष के कोई महान नहीं बनता है। जब तक न पडे हथोड़े की चोट पत्थर पर पत्थर तब तक भगवान नहीं बनता। कुछ पाने के लिए कुछ करना पड़ता है। मुनिश्री ने एक प्रसंग के माध्यम से कहां कि सत्संग के बारे बताया कि एक सेठ जी थे जो कि नास्तिक थे परन्तु उनकी सेठानी धर्म कार्य में सदा रूची रखती थी एक बार सेठानी के कहने पर सेठ जी भी गुरु प्रवचन में समय से पूर्व पहुंच गए वहा नोकर ने कहा ''आईए'' ''बेठीए''तुरंत ही सेठ जी को नींद आ गई तथा सत्संग प्रवचन तक सोते रहे। सभी के जाने के पश्चात नोकर ने कहा ''जाईए'' घर पहुंच कर सेठानी से कहा तीन शब्द सीखकर आया हूं। आईए-बैठीए-जाईए। दोपहर में सोने के कारण सेठजी को रात को नींद नहीं आई, सेठजी तीन शब्द की माला जपने लगे। रात को घर में चोर घुसा उसने सेठजी को बोलते हुए सुना आईए, बेठीए, जाईए- चोर समझा सेठजी अर्न्तयामी है और वह क्षमा मांग कर चला गया। सेठ जी को लगा की एक नौकर के तीन शब्दों से मेरी जमा पूंजी व जान बच गई अगर मैं सत्संग को सुनुंगा तो मेरा जीवन सुधर जाएगा। क्योकि जीवन जीने की कला व धर्म गुरु ही सीखा सकते है।

कार्यक्रम का संचालन पुष्कर जैन भदावत ने किया। इस इस दौरान सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

कारगिल विजय दिवस के मौके पर बी.एन.पी.जी गर्ल्स कॉलेज की 5 राज एनसीसी की छात्राओं शहीदों की श्रद्धांजलि

पदमावत मीडिया

कारगिल विजय दिवस के मौके पर देशभर में कई तरीके के खास आयोजन हो रहे हैं.युद्ध में शहीद हुए उनकी जवानों को आज हर देशवासी दिल से नमन कर रहे है.विजय दिवस के मौके उदयपुर की बी.एन.पी.जी गर्ल्स कॉलेज की 5 राज एनसीसी की छात्राओं की ओर भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान छात्राओ के देश के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए एक नाटक का मंचन किया,किस तरह से एक सैनिक अपने सारे रिश्तों को भुला कर देश की रक्षा के लिए बलिदान हो जाता है. बीएन के चेयरपर्सन कर्नल एस. एस. सारंगदेवोत ने बताया कि कारगिल के युद्ध की लड़ाई देश के सैनिकों के लिए सबसे अधिक विपरीत परिस्थितियों की लड़ाई थी लेकिन भारतीय सेना के साहस से ही इसे जीत जा सका,भारत का एक दशक से सेना ने ओर भी परचम लहराया है.आज विश्व में भारतीय सेना की एक खास पहचान है.

5 राज गर्ल्स बटालियन कमांडिंग ऑफिसर कर्नल राजेश सिंह ने बताया कि 26 जुलाई को लड़ाई देश भी सबसे बड़ी लड़ाई थी.जिससे आज हम सेलिब्रेट कर रहे है.देश के युवाओं ने पिछले कुछ दशकों से देश भक्ति के प्रति अधिक जागरूकता देखने को मिल रही है, एनसीसी के छात्र जिस जोश के साथ नजर आते है उससे लगता है देश का भविष्य बहुत अच्छा होगा.सेना को विजय दिवस को

बीएन मेजर (डा)अनीता राठौड ने बताया कि सेना की सबसे बड़ी लड़ाई कारगिल की युद्ध थी. भारतीय सेना के वीर जवानों ने अपनी बहादुरी दिखाते हुए जंग को जीता है.आज बड़े ही गौरव की बात की हम देश की सबसे बड़ी जीत की 25वीं सालगिरह मना रहे है.उदयपुर की बी.एन.पी.जी गर्ल्स कॉलेज की 5 राज एनसीसी की छात्राओं ने भी कारगिल युद्ध की पोस्टर प्रदर्शिनी का आयोजन किया,इसके बाद सेना युद्धाभ्यास का मंचन भी किया,कार्यक्रम के दौरान कर्नल प्रो. शिव सिंह सारंगदेवोत चेयरपर्सन, भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी,कन□ल राजेश सिह कमाडिग अफिसर डॉ. महेंद्र सिंह राठौड़ सचिव विद्या प्रचारिणी सभा, मोहब्बत सिंह राठौड़ प्रबंध निदेशक भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय, राजेंद्र सिंह झाला संयुक्त सचिव विद्या प्रचारिणी सभा, शक्ति सिंह राणावत वित्त सचिव विद्या प्रचारिणी सभा, सभी संकाय के अधिष्ठाता ओर छात्र उपस्थित रहे.

उदयपुर - आवागमन होगा सुगम, विकास को लगेंगे पंख

राज्य बजट की सौगातों पर पीडब्ल्यूडी युडीए और नगर निकाय ने तेज की कवायद

पदमावत मीडिया

उदयपुर । मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में विधानसभा में प्रस्तुत सरकार के पहले पूर्ण बजट में उदयपुर जिले को ढेरों सौगातें मिली हैं। बजट में जहां एक तरफ आधारभूत विकास पर फोकस किया गया, वहीं सभी वर्गों के सामाजिक उन्नयन पर भी ध्यान दिया गया है। पर्यटन के मामले में देश के अग्रणी शहरों में शुमार उदयपुर के आधारभूत विकास को भी राज्य बजट में खास तरजीह दी गई है। जिले में कई महत्वपूर्ण सड़कों के सुदृढीकरण की घोषणा हुई, वहीं कई बड़े प्रोजेक्ट की डीपीआर भी तैयार की जानी है। सार्वजनिक निर्माण विभाग, युडीए और नगर निकाय ने इन घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए कवायद भी तेज कर दी है।

स्वीकृति जारी, जल्द होंगी निविदाएं »

राज्य बजट में सार्वजनिक निर्माण विभाग के तहत उदयपुर जिले में गोगुन्दा-गणशेजी का गुड़ा-मोडी-छिपाला-मारूवास-तुला तक 14.50 किलोमीटर सड़क के लिए 18.75 करोड़ रूपए की घोषणा की गई है। पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता (ग्रामीण) अनिल गर्ग ने बताया कि इस सड़क कार्य के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 12 जुलाई को जारी हो गई है तथा निविदा आमंत्रित करने की कार्यवाही भी शुरू कर दी गई है। गर्ग ने बताया कि क्यारी से सइकला तक सड़क एवं पुलिया निर्माण, सिरवल नदी पर पुलिया निर्माण और शिवडिया से पंपरमाल सड़क निर्माण के लिए 30 करोड़ की घोषणा हुई है। इस कार्य का फॉरकास्ट एस्टीमेंट तैयार कर मुख्य अभियंता जयपुर को प्रेषित कर दिया गया है। प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होते ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी।

गर्ग ने बताया कि बजट में कोटड़ा से देवला रोड तक 50 किलोमीटर सड़क को 4 लेन करने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने व मावली उदयपुर से नाथद्वारा वाया गुडली तक 35 किमी सड़क के लिए डीपीआर बनाने की भी घोषणा की गई है। इसके लिए डीपीआर के लिए दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। डीपीआर के लिए क्रमशः 150 लाख व 100 लाख रूपए की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के लिए मुख्य अभियंता जयपुर को पत्र प्रेषित किए गए हैं। स्वीकृति प्राप्त होते ही डीपीआर तैयार करने के लिए कंसलटेंट की नियुक्ति के लिए निविदा की जाएगी। छाणी-झाझरी रोड़ के लिए भी प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी होते ही निविदा प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। इसके अलावा बिपरजॉय तुफान, अतिवृष्टि एवं अन्य क्षतिग्रस्त सड़कों एवं पुलियाओं की मरम्मत के 139 कार्य बजट में प्रस्तावित किए गए हैं। इसके लिए प्रारंभिक तैयारियां कर ली गई हैं। स्वीकृति प्राप्त होते ही निविदा आमंत्रित की जाएगी।

शहरी क्षेत्र में मिलेगी यातायात समस्या से निजात »

राज्य बजट में उदयपुर शहर में बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड़ की सौगात दी गई है। इसमें पारस तिराहे पर 36.16 करोड़ की लागत से फ्लाईओवर निर्माण किया जाना है। इससे पारस तिराहे पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। वहीं देबारी चौराहे से प्रातपनगर चौराहे तक 125 करोड़ की लागत से एलिवेटेड रोड़ बनना भी प्रस्तावित है। एलिवेटेड रोड़ बनने से एयरपोर्ट मुख्य मार्ग पर वर्तमान में यातायात के अत्यधिक दबाव से बनने वाली स्थितियों में काफी सुधार होगा। इसके अलावा उदयपुर सिटी स्टेशन से कलक्टर निवास तक एलिवेटेड रोड़ के लिए डीपीआर भी तैयार की जा रही है। उधर, सीसारमा से नांदेश्वर तक 14 करोड की लागत से सड़क विस्तारीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, बड़गांव से कविता राष्ट्रीय राजमार्ग 76 का 43 करोड़ की लागत से विस्तारीकरण एवं सुदृढीकरण और जड़ाव नर्सरी से कलड़वास तक 38 करोड़ की लागत से सड़क विस्तार कार्य भी बजट में शामिल है। इन सभी कार्यों से उदयपुर शहर में यातायात व्यवस्था का काफी हद तक समाधान होगा तथा लोगों को सुगम आवागमन के विकल्प मिल सकेंगे।

राज्य सरकार करेगी अग्रणी कृषकों का सम्मान

उदयपुर में अग्रणी कृषकों से 30 सितंबर तक आवेदन मांगे

पदमावत मीडिया

उदयपुर । भूमिपुत्रों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करने की मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशाओं को पूरा करने की दृष्टि से राज्य सरकार द्वारा कृषि, उद्यानिकी और पशुपालन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अग्रणी कृषकों को सम्मानित किया जाएगा। उदयपुर जिले में कृषोन्नति योजना के कृषि विस्तार पर उप मिशन आत्मा योजना अन्तर्गत वर्ष 2024-25 में राज्य, जिला तथा पंचायत समिति स्तर पर पांच विभिन्न कृषि उद्यमों के श्रेष्ठ कृषकों को पुरस्कृत करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इस योजना में पुरस्कृत किये जाने हेतु कृषक के मनोनयन प्रस्ताव 30 सितंबर तक आमंत्रित किये गये है। यह आमन्त्रण प्रस्ताव प्रतापनगर स्थित उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) में भिजवाने होंगे। उप निदेशक डॉ. राजेश्वरी राणावत ने बताया कि इन पुरस्कारों हेतु प्रत्येक पंचायत समिति स्तर पर पांच कृषकों का चयन प्रत्येक गतिविधिवार यथा कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन डेयरी व मत्स्य पालन, जैविक खेती, नवाचारी खेती, कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन आदि गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों में से एक-एक कृषक का चयन किया जाएगा।

पंचायत समिति स्तर पर चयनित कृषकों में से 10 सर्वश्रेष्ठ कृषकों को जिला स्तर पर चयनित किया जायेगा तथा प्रत्येक के समस्त जिलों से चयनित कृषकों में से राज्य स्तर पर 10 सर्वश्रेष्ठ कृषकों का चयन होगा। पुरस्कार के तहत प्रत्येक गतिविधिवार पंचायत समिति स्तर पर राशि 10 हजार रुपये, जिला स्तर पर 25 हजार रुपये एवं राज्य स्तर पर 50 हजार रुपये देने का प्रावधान है।

कृषक चयन के लिए निर्धारित प्रावधान »

उप निदेशक ने बताया कि मनोनयन प्रस्ताव आमंत्रण के लिये कृषक चयन के लिए प्रावधान रखे गये है। इसके तहत पंचायत समिति एवं जिला स्तर पर सम्मानित किये जाने वाले कृषकों का चयन आत्मा योजना में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में गठित शाषी परिषद द्वारा किया जायेगा। आत्मा योजना के तहत विगत में पुरस्कृत कृषकों का चयन दोबारा नहीं होगा। कृषकों को एक बार ही इस योजना के अंतर्गत सम्मानित किये जाने का प्रावधान है, जिन कृषकों को पूर्व में आत्मा योजना अन्तर्गत किसी भी स्तर पर चयनित किया जा चुका है,

वह कृषक पुनः आवेदन के पात्र नहीं होंगे। इस योजना के तहत कृषक स्वयं या निर्वाचित जनप्रतिनिधि या कोई अन्य व्यक्ति/संस्था योग्य कृषक के प्रस्ताव उसके द्वारा कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों का विवरण मय 5-7 फोटोग्राफ्स सहित प्रस्तुत करते हुए नाम प्रस्तावित कर सकते है।

इन कृषकों को मिलेगी वरीयता »

वह कृषक जो कृषि विभाग द्वारा निर्धारित 21 मूल मंत्र की पालना, समग्र कृषि गतिविधियों यथा प्रमाणित बीज प्रयोग, बीज उपचार, फार्म मशीनरी, कृषि विभाग की पेकेज ऑफ प्रेक्टिसेज अपनाते हुए खेती करना एवं हाईटेक कृषि करते हुए गुणवत्तायुक्त उत्पादन लेते हो, उन्हीं कृषकों को चयन में वरीयता दी जायेगी। उद्यानिकी हाईटेक उद्यानिकी/माइक्रो इरिगेशन द्वारा सिंचाई, वृक्षों की आपसी दूरी तथा कटाई पश्चात प्रबंधन करने, सब्जियों की खेती करने वाले, फल बगीचा स्थापना मय ड्रिप व फसलोत्तर प्रबंधन करने वाले कृषकों को वरीयता दी जायेगी। पशुपालन डेयरी व मत्स्य पशुपालन में उन्नत नस्ल के पशु, अच्छा पशु स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण, पशुओं को संतुलित आहार, कृत्रिम गर्भाधान, दुग्ध उत्पादन आदि व मत्स्य पालन के अन्तर्गत मछली पालन का उत्कृष्ट कार्य करने वाले को जिसमें अच्छी किस्म का मछली बीज काम में लिया गया हो ऐसे कृषकों को वरीयता दी जायेगी। जैविक खेती में कम्पोस्ट निर्माण, जीवामृत, वर्मीवॉश, जैविक उत्पाद का निर्माण व विपणन आदि जैविक खेती के उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषकों को वरीयता दी जायेगी। नवाचारी खेती व प्रसंस्करण मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, अजोला की खेती आदि अनेक नवाचारी गतिविधियां जो कृषि के क्षेत्र में नया हो तथा जो कृषक कृषि आधारित उत्पादों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन का कार्य कर रहे है उन्हीं कृषकों को चयन में वरीयता दी जायेगी।

आवेदक इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए अपने निकटतम कृषि कार्यालय या संबंधित कृषि पर्यवेक्षक व कृषि अधिकारी से सम्पर्क कर सकते है।

खनिजों पर टैक्स लगाने का अधिकार मिला राज्यों को

सुप्रीम कोर्ट की 9 सदस्य वाली खंडपीठ ने 8+1 से फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने इस फैसले में स्पष्ट किया गया है। रॉयल्टी, टैक्स के दायरे में नहीं आती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पूर्व के एक फैसले में कहा था, कि रॉयल्टी भी एक टैक्स है। जिसे 09 सदस्यों की संवैधानिक खंडपीठ ने सही नहीं माना है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक खंडपीठ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है, कि सरकार को जो भी भुगतान किया जाता है उसे टैक्स नहीं माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक खंडपीठ ने गुरुवार को जो फैसला दिया है, उसके अनुसार संविधान ने खनिज और खदानों से निकलने वाले उत्पाद और खनिज भूमि पर राज्य सरकारों के अधिकार को माना है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है, कि राज्यों को रॉयल्टी वसूल करने का संवैधानिक अधिकार है। रॉयल्टी को टैक्स नहीं माना जा सकता है। नौ जजों की संविधान पीठ ने इस मामले की सुनवाई की थी। इसमें एक जज बीवी नगर|ा का फैसला अलग था। उनके फैसले में यह कहा गया है, कि राज्यों को खदानों और खनिज वाली भूमि पर टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है। वहीं आठ जजों का फैसला है, कि राज्यों का यह संवैधानिक अधिकार है। आठ जजों ने अपने फैसले में स्पष्ट किया है, कि संविधान की सूची 2 की प्रविष्टि 50 के अनुसार संसद के पास खनिज अधिकारों पर टैक्स लगाने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अब स्पष्ट हो गया है कि रॉयल्टी को टैक्स के दायरे के अंतर्गत नहीं लाया जा सकता है। खनिज भूमि और खनिज उत्पाद पर राज्य सरकारों का अधिकार है। रॉयल्टी एक अधिकार है। रॉयल्टी पर सरकार, पट्टेदाता और जमीन मालिक का अधिकार होता है। इस भुगतान को टैक्स के दायरे में नहीं रखा जा सकता है। संविधान पीठ के नौ जजों की पीठ ने इस विवादास्पद मुद्दे पर केंद्र एवं राज्य सरकारों का पक्ष काफी सूक्षमता के साथ सुना। कई दिनों तक सुप्रीम कोर्ट में इसकी सुनवाई होती रही। इसमें विवाद का विषय रॉयल्टी और खनिज भूमि केंद्र एवं राज्य के अधिकार को लेकर सुनवाई हो रही थी। खनिज अधिनियम 1957 के तहत टैक्स और रॉयल्टी की व्याख्या सुप्रीम कोर्ट को करनी थी। देश की सभी खनिज भूमि पर राज्य सरकारों का अधिकार है। राज्य सरकारों को इस मामले में रॉयल्टी वसूल करने का भी अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से यह स्पष्ट हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सबसे ज्यादा फायदा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल जैसे उन राज्यों को होगा, जहां बड़ी मात्रा में खनिज सम्पदा उपलब्ध है। इस फैसले के बाद राज्यों को कानून बनाने और खनिज उत्पाद पर रॉयल्टी वसूल करने का अधिकार प्राप्त हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में अभी यह सुनवाई चल रही है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट को यह फैसला देना है, कि यह अधिकार राज्यों को कब से प्राप्त होगा। राज्यों द्वारा पूर्ववर्ती समय से रॉयल्टी वसूल करने की मांग की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट को यह निर्णय देना है, कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय भूतलक्षी होगा या भविष्य में लागू होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राज्यों का आर्थिक आधार मजबूत होगा। केंद्र एवं राज्यों के रिश्ते भी मजबूत होंगे। इसके साथ ही रॉयल्टी और टैक्स की जो परिभाषा दी गई है, इसका असर केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ निजी अधिकारों के लिए भी सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बड़ा महत्वपूर्ण साबित होगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस विवाद पर लंबे समय तक सुनवाई करके संविधान और विभिन्न कानून के हर पहलुओं पर विचार किया है। इस सुनवाई में केंद्र एवं राज्य सरकारों के अधिकार को लेकर भी गहन सुनवाई है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से खनिज मामलों को लेकर जो विवाद केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच में चले आ रहे थे, इसमें केंद्र एवं राज्य सरकारों के अलावा निजी भूमि के मालिक भी शामिल होते थे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से अब बहुत सारे विवाद निपट जाएंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक - पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यलय - गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र से अमुद्रित ऑनलाइन प्रकाशित | मो. 9594542679, e-mail: padmavatmedia@gmail.com
web. padmavatmedia.in. नोट» (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई (महाराष्ट्र) होगा। उक्त ई-पेपर को अवैध रुप से छपवाना कानूनन अपराध है।